Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding payment of pending fees of students in private colleges from PM Cares fund.

डॉ. एस. टी. हसन (मुरादाबाद): बहुत-बहुत शुक्रिया सर, मैं आपका ध्यान देश की बहुत महत्वपूर्ण और देश के भविष्य से जुड़ी हुई समस्या पर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं।

अध्यक्ष जी, लगभग आधे साल से कॉलेज, यूनिवर्सिटीज़ और स्कूल्स बंद हैं। लॉकडाउन के चलते लोगों के कारोबार तबाही पर आ गए हैं। गरीब आदमी को दो वक्त की रोटी कमाना भारी पड़ रहा है। इन स्कूलों के अंदर ट्यूशन फीस, मैनटेंनस फीस, ट्रांसपोर्ट फीस और होस्टल फीस ली जा रही है, जिसको देना गरीब आदमी के बस की बात नहीं है। बहुत से गरीब लोगों ने अपने बच्चों को घर बैठा लिया है।

अध्यक्ष जी, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि बहुत से प्राइवेट कॉलेजेस ने इस आपदा में अवसर तलाश कर लिए हैं और उन्होंने लगभग दस परसेंट स्टाफ को हटा दिया है। अपने स्टाफ की सैलरी में 30 से 50 परसेंट की कमी कर दी है, लेकिन बच्चों से पूरी फीस वसूल रहे हैं।

अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ऐसे तमाम लोगों को जिन्होंने अपने स्टाफ की सैलरी कम कर दी है, उनको कोई हक नहीं है कि वे पूरी फीस वसूल करें। आपके माध्यम से मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि सरकार उन तमाम बच्चों की फीस प्राइम मिनिस्टर केयर फण्ड से जमा कराए, जो अपने बच्चों की फीस नहीं भर पा रहे हैं। यह देश के भविष्य का सवाल है। इसमें हम और हमारी समाजवादी पार्टी के लोग, सभी लोग और अखिलेश जी चाहते हैं कि हमारे देश के बच्चों की 50 परसेंट फीस प्रधान मंत्री केयर फण्ड से या किसी और फण्ड से दी जाए। इससे अभिभावकों को भी रिलीफ मिलेग। ईमानदार संस्थाओं के स्टाफ की सैलरी भी देने का कष्ट करें ताकि स्टाफ को भी उनकी सैलरी मिल सके।

माननीय अध्यक्ष : श्री कुलदीप राय शर्मा और श्री मलूक नागर को डॉ. एस.टी. हसन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।